हिमाचल अभी अभी

नई सोच नई खोज

साप्ताहिक

/himachal.abhiabhi @himachal_abhi

RNI No. HPHIN/2015/68432 वर्ष 10 अंक 23 कांगड़ा। शनिवार, 05 अक्तूबर-11 अक्तूबर, 2024 www.himachalabhiabhi.com तदनुसार 20 अश्विन, विक्रमी संवत् 2081 कुल पृष्ठ 4 मूल्य ₹5 | Postal Regn.No. DGPUR/26/24-26

नवरात्र में कन्य पूजन

-पढ़ें पेज 4

विजयादशमी

दशहरा यानी विजयादशमी पर्व राक्षस रावण पर भगवान श्री राम की विजय के रूप में मनाया जाता है। तो वहीं इस दिन माता दुर्गा ने दानव महिषासुर का वध भी किया था।

दशहरा पर्व आश्विन शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाया जाता है। ये वही दिन है जब भगवान राम ने लंकापति रावण का वध किया था। इसलिए इस दिन लोग रावण दहन करते हैं। ये पर्व हमें ये संदेश देता है कि अच्छाई की जीत होकर ही रहती है। इस दिन कई जगह आयुध पूजा भी की जाती है।

इस साल दशहरा 12 अक्टूबर को मनाया जाएगा। दशमी तिथि 12 अक्टूबर की सुबह 10 बजकर 58 मिनट से 13 अक्टूबर की सुबह 9 बजकर 8 मिनट तक रहेगी।

दशहरा यानी विजयादशमी पर्व राक्षस रावण पर भगवान श्री राम की विजय के रूप में मनाया जाता है। तो वहीं इस दिन माता दुर्गा ने दानव महिषासुर का वध भी किया था।

● दशहरे के दिन अगर नीलकंठ के दर्शन हो जाएं तो यह बहुत शुभ माना जाता है। साथ ही रावण दहन के बाद गुप्त दान करना और लक्ष्मी माता का ध्यान कर झाड़ू दान करना बहुत लाभदायी माना गया है। ऐसा करने से आर्थिक संकट दूर होता है और जीवन में शुभता बढ़ती है।

● दशहरे के दिन देवी माता के सामने जौ जो बोया जाता है, उसकी जयंती को माथे पर रखें और उसको धन के स्थान जैसे अलमारी या तिजोरी में रख दें। ऐसा करने से धन वृद्धि के शुभ संयोग बनते हैं और कर्ज से मुक्ति मिलती है।

● नौकरी व व्यापार में उन्नति के लिए दशहरे के दिन एक नारियल लें और उसको पीले कपड़े में लपेट दें। उसके साथ एक जोड़ा जनेऊ, सवा पाव मिष्ठान के साथ पास के किसी राम मंदिर में रख दें। ऐसा करने से करियर में तरक्की के शुभ संयोग बनते हैं।

■ **पं. कुलदीप शास्त्री**